

मानव-वन्यजीव संघर्ष नविवरण नधि (कॉर्प्स फंड)

चर्चा में क्यों?

26 मई, 2023 को उत्तराखंड के वन एवं पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु ने बताया कि प्रदेश में मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को कम करने के लिये विभाग ने मानव-वन्यजीव संघर्ष नविवरण और मानव-वन्यजीव संघर्ष नविवरण नधि (कॉर्प्स फंड) को हरी झंडी दे दी है। इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया गया है।

प्रमुख बडि

- वदिति है कि प्रदेश में मानव-वन्यजीव संघर्ष में प्रतविर्ष 60 से 70 लोगों की मौत हो जाती है तथा द्वाई से तीन सौ लोग घायल हो जाते हैं। ऐसी घटनाओं में तत्काल राहत पहुँचाने के लिये राज्य सरकार ने मानव-वन्यजीव संघर्ष नविवरण प्रकोष्ठ के साथ ही दो करोड़ रुपए के कॉर्प्स फंड की स्थापना की है।
- इस धनराशा में राज्य सरकार अपने वविक से कमी एवं वृद्धा भी कर सकेगी। खास बात यह है कि धनराशा निॉन लेप्सेबल होगी। यानि हर साल जतिना भी फंड बचेगा, वह आगे भी बना रहेगा और आगे जो राशा प्राप्त होगी, फंड में जुडती चली जाएगी।
- प्रकोष्ठ में वन विभाग के एक वन कषेत्राधिकारी, अनुबंध के आधार पर एक जीआईएस वशिषज्ज और दो जेआरएफ, एसआरएफ वशिषज्ज की नयुक्ता की जाएगी।
- मानव-वन्यजीव संघर्ष नविवरण प्रकोष्ठ प्रमुख वन संरक्षक वन्यजीव (चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन) के कार्यालय के तहत संचालति होगा। प्रकोष्ठ की स्थापना राज्य में मानव एवं वन्यजीवों के मध्य होने वाली घटनाओं का वैज्जानकि वशि्लेषण कयि जाने के लिये की गई है।
- क्या काम करेगा प्रकोष्ठ:
 - प्रदेश में होने वाली प्रत्येक मानव-वन्यजीव घटना का डाटा इकटठा करना।
 - घटना के बाद अनुग्रह राशा के भुगतान की स्थति में अनुश्रवण करना।
 - सभी घटनाओं का वैज्जानकि वशि्लेषण।
 - अन्य देशों और प्रदेशों में इस वशिष्य में उठाए जा रहे कदमों का अध्जयन।
 - प्रदेश में वन्यजीवों की गणना में भागीदारी।
 - अन्य तकनीकी कार्य।